# अंगूठे की चोट से उबरे कुहनेमन, श्रीलंका दौरे के लिए मिली मंजूरी

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन को अंगूठे की चोट की सर्जरी के बाद ठीक होने के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी गई।

पिछले हफ्ते बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले के दौरान कुहनेमन का दाहिना अंगूठा टूट गया था, लेकिन वर्तमान में, वह गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।

हीट के फिजियो एडम स्मिथ की देखरेख में उन्होंने क्षेत्ररक्षण करते हुए कुछ कैच भी लपके।

गुरुवार को ब्रिसबेन में सफल अभ्यास सत्र के बाद, कुहनेमन श्रीलंका में आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल होने की मंजूरी मिलने के प्रति आशावादी हैं।

कुहनेमन के साथ विक्टोरियन बल्लेबाज ओलिवर पीक भी शामिल होंगे,18 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने पिछली गर्मियों में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी, ने पिछले सप्ताह मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए हीट के खिलाफ़ अपना बीबीएल डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 19 रन बनाए थे।

कुहनेमन की रिकवरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को दाएं हाथ के नाथन लियोन और टॉड मर्फी के बाद पसंदीदा चयन विकल्प माना जा रहा है।

28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में भारत के अंतिम उपमहाद्वीप दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, संभावित चार टेस्ट मैचों में से तीन खेले और इंदौर में ऑस्ट्रेलिया की जीत की पहली पारी में पांच विकेट लिए। लेकिन कुहनेमन को टीम में शामिल करने की मंजूरी कूपर कोनोली की 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की सीरीज में चौंकाने वाला टेस्ट डेब्यू करने की उम्मीदों को झटका दे सकती है।

कोनोली ने केवल चार प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और अभी तक उस स्तर पर एक भी विकेट नहीं लिया है। 21 वर्षीय खिलाड़ी के लिए अब टेस्ट डेब्यू करना मुश्किल लग रहा है।

### ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम इस प्रकार है-

- पहला टेस्ट: 29 जनवरी-2 फरवरी, गॉल।
- दूसरा टेस्ट: 6-10 फरवरी, गॉल।
- पहला वनडे: 12 फरवरी, कोलंबो।
- दूसरा वनडे: 14 फरवरी, कोलंबो।

### ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम:

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमन , मार्नस लैबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर ।

## न्यूज ब्रीफ

### वर्ल्ड पैडल लीग : टीम पैंथर्स का मालिक बना सोहेल खान एंटरटेनमेंट, मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक आयोजित होगी वर्ल्ड पैडल लीग

मुंबई। वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) ने गुरुवार को बॉलीवुड के मशहूर निर्माता और अभिनेता सोहेल खान के स्वामित्व वाले सोहेल खान एंटरटेनमेंट को टीम पैंथर्स का आधिकारिक मालिक घोषित किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट भारत में पहली बार 5-8 फरवरी के बीच मुंबई के नेस्को सेंटर में आयोजित होगा, जिसमें दुनिया के शीर्ष पैडल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सोहेल खान एंटरटेनमेंट, जो 'प्यार किया तो डरना क्या', 'जय हो', 'पार्टनर' और 'फ्रीकी अली' जैसी हिट फिल्मों के निर्माण के लिए जाना जाता है, अब खेल जगत में अपनी नई पारी शुरू कर रहा है। कंपनी इससे पहले 1000 से अधिक ऑन-ग्राउंड इवेंट आयोजित कर चुकी है और द-बैंग टूर जैसे बड़े शो का आयोजन कर चुकी है। इसके साथ ही, सोहेल खान सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग और मुंबई हीरोज़ टीम के सह-मालिक भी हैं। डब्ल्यूपीएल में अपनी भागीदारी पर सोहेल खान ने कहा, भारत में पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता प्रभावशाली है। यह खेल समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है, और विश्व पैडल लीग की शुरुआत भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। हमारी टीम पैंथर्स में विश्व स्तरीय प्रतिभाएँ शामिल हैं, और हमें उम्मीद है कि यह एक सफल संस्करण साबित होगा। वर्ल्ड पैडल लीग की निदेशक हेमाली शर्मा ने भी इस सहयोग पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, सोहेल खान एंटरटेनमेंट को वर्ल्ड पैडल लीग का हिस्सा बनाना हमारे लिए सम्मान की बात है। उनका जुड़ाव पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। हम इस साझेदारी से उत्साहित हैं और भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद करते हैं। लीग का प्रारूप और कार्यक्रम वर्ल्ड पैडल लीग तीन लीग चरण के दिनों के दौरान एकल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली जाएगी, जिसमें प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेगी। लीग की शीर्ष दो टीमें 8 फरवरी को होने वाले फाइनल में भिड़ेंगी।

### कपिल देव ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को दीं शुभकामनाएं

गुरुग्राम। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर और पूर्व कप्तान कपिल देव ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को शुभकामनाएं दी हैं। कपिल गुरुवार को गुरुग्राम के सत्या स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मीडिया से बातचीत में विश्व कप विजेता कप्तान से टूर्नामेंट के लिए भारत को शुभकामनाएं दीं। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी का नौवां संस्करण 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में होने वाला है। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच 50 ओवर के होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट के ग्रुप ए में मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी धारक और मेजबान पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में क्रिकेट विश्व कप 2023 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। भारत के ग्रुप चरण के मैच: 20 फरवरी - भारत बनाम बांग्लादेश, दुबई ,23 फरवरी - भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई, 2 मार्च - भारत बनाम न्यूजीलैंड, दुबई।

### इंडोनेशिया मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे चीनी शटलर

जकार्ता। चीनी शटलर गुरुवार को जकार्ता के इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 2025 इंडोनेशिया मास्टर्स में चार श्रेणियों में क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। चीन की दुनिया की 10वें नंबर की मिश्रित युगल जोड़ी गुओ शिनवा और चेन फांगहुई ने चीनी ताइपे की चेन चेंग कुआन और हसू यिन-हुई को मात्र 29 मिनट में 21-10, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। क्वार्टर फाइनल में गुओ और चेन का सामना हमवतन चेंग जिंग और झांग ची से होगा, जिन्होंने साथी चीनी जोड़ी गाओ जियाक्सुआन और वू मेंगिंग पर 21-18, 18-21, 21-7 से जीत हासिल की। पुरुष युगल में, जी हाओनान और जेंग वेहान ने मलेशिया के टैन वी कियोंग और नूर मोहम्मद अज़ियन अयूब पर 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। इस बीच, महिला युगल में, जिया यिफान और झांग शुक्सियन ने अपनी टीम के साथी ली यिजिंग और लुओ जुमिन को 21-11, 21-19 से हराकर अपना दबदबा दिखाया। पुरुष एकल में, चीन के विश्व नंबर 1 शि यूकी ने दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 21-11, 21-14 से सीधी जीत हासिल की।

# खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को केंद्रीय खेल राज्य मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने शुक्रवार को हाल ही में खो-खो विश्व कप जीतने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीमों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। खडसे ने कहा कि यह देश के लिए गर्व का क्षण है कि दोनों टीमों ने इस स्वदेशी खेल में पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने इस जीत को पूरे देश, विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए प्रेरणा बताया।

### हमारी मिट्टी का खेल, हमारा गर्व

खडसे ने कहा, हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों ने जिस दबदबे के साथ विश्व कप जीता, उससे मुझे बहुत गर्व है। यह हमारी मिट्टी और गांवों का खेल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और खिलाड़ियों को जाता है। उन्होंने केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस खेल को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

### प्रतीक वाइकर और प्रियंका इंगले ने दिलाया स्वर्ण पदक

भारतीय पुरुष टीम, जिसकी कप्तानी प्रतीक वाइकर कर रहे थे, ने फाइनल मुकाबले में नेपाल को हराया। वहीं, महिला टीम ने प्रियंका इंगले की अगुवाई में नेपाल के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहले खो-खो विश्व कप में 6 महाद्वीपों के 23 देशों की 20 पुरुष और 19 महिला टीमों ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट एक सप्ताह तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा।

### महाराष्ट्र ने निभाई अग्रणी भूमिका

खडसे ने महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, महाराष्ट्र, जहां इस खेल की शुरुआत हुई, ने शानदार योगदान दिया। अब यह हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र में इस खेल को बढ़ावा दें और नई पीढ़ी को प्रेरित करें।

महाराष्ट्र सरकार ने खिलाड़ियों को दिया बड़ा तोहफा

### राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 10 दिसंबर, 2024 से 11 जनवरी, 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक महीने का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इस शिविर में 27 राज्यों के 60 पुरुष और 60 महिलाओं ने भाग लिया, जिसे केकेएफआई के समर्थन से आयोजित किया गया।

### मित्तल ने सरकार की सराहना की

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने विश्व कप के सफल आयोजन में सहयोग के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने हर संभव सहायता प्रदान की। हमने चार साल बाद बर्मिंघम में अगले विश्व कप के आयोजन की घोषणा कर दी है और भारत में भविष्य की विश्व चैम्पियनशिप आयोजित करने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

### खिलाड़ियों को महाराष्ट्र सरकार का तोहफा

खडसे के अनुरोध पर महाराष्ट्र सरकार ने खो-खो विश्व कप में भाग लेने वाले राज्य के प्रत्येक खिलाड़ी को 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार और राज्य सरकार में प्रथम श्रेणी की नौकरी देने की घोषणा की है। यह कदम खो-खो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

### खो-खो को नई पहचान देने का प्रयास

रक्षा खडसे ने कहा कि सरकार खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि केकेएफआई की योजनाओं को आगे बढ़ाने और खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री से चर्चा की जाएगी।

खो-खो विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने न केवल स्वदेशी खेलों के प्रति रुचि को पुनर्जीवित किया है, बल्कि नई पीढ़ी को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।

# अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने मानसिक स्वास्थ्य और चुनौतियों पर साझा किए अनुभव

नई दिल्ली

पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में अपनी यात्रा और अनुभव साझा किए। इस बातचीत में उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 श्रेणी में भारत का नाम रोशन करने वाली रुबीना ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद खास पल है। यह मेरे करियर की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि कैसे पिछले कुछ सालों में आईं चुनौतियों ने इस उपलब्धि को और खास बना दिया।

### टोक्यो से पेरिस तक का सफर

2020 टोक्यो पैरालंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सातवां स्थान हासिल किया था। हालांकि, उस प्रदर्शन ने उन्हें गहरा झटका दिया और खेल छोड़ने का विचार उनके मन में आया।

उन्होंने बताया, टोक्यो में मेरे प्रदर्शन ने मुझे निराश कर दिया। मैंने खुद का विश्लेषण किया और अपनी कमियों को समझा।

इस अनुभव ने उन्हें मानसिक रूप से और मजबूत बनाया। उन्होंने कहा, मैंने महसूस किया कि खेल मनोविज्ञान कितना जरूरी है। टोक्यो के दौरान यदि मैंने इसका महत्व समझा होता, तो मेरा प्रदर्शन बेहतर होता।

पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने से पहले, रुबीना ने 2022 से 2024 तक कई कोटा मैचों में निरंतर हार का सामना किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कमजोरियों को दूर करते हुए इतिहास रच दिया।

### मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

रुबीना ने अपने सफर में मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, खेलों में मानसिक दृढ़ता बेहद जरूरी है। हार का असर कुछ समय तक रहता है, लेकिन उससे बाहर निकलना ही असली जीत है। मैंने सीखा कि खुद को कैसे सामान्य रखा जाए और आगे बढ़ा जाए।

रुबीना फ्रांसिस का यह सफर न केवल उनकी दृढ़ता और मेहनत का उदाहरण है, बल्कि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होकर उन्होंने न केवल अपनी उपलब्धियों को नया आयाम दिया है, बल्कि आने वाले समय में और ऊंचाइयों तक पहुंचने का भरोसा भी जताया है।

## यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

पेरिस में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी खेलते हुए।

# ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : पीयर्स-गेडेकी की जोड़ी ने मिश्रित युगल खिताब जीता

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया की ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने शुक्रवार को मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया है। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ की जोड़ी को 3-6, 6-4, 10-6 से हराया।

बिरेल और स्मिथ ने रॉड लेवर एरिना में शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की और आसानी से 6-3 से पहला सेट जीत लिया।

गेडेकी और पीयर्स ने इसके बाद दूसरे सेट में कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को बराबरी पर लाते हुए सेट 6-4 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में भी कड़ी टक्कर हुई और अंत में गेडेकी-पीयर्स ने टाइब्रेक में सेट 10-6 से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

यह गैडेकी का ग्रैंड स्लैम में पहला मिश्रित युगल खिताब था, जबकि पीयर्स ने इस श्रेणी में 2022 यू.एस. ओपन जीता था और यह उनका दूसरा खिताब है। 36 वर्षीय खिलाड़ी पीयर्स ने हमवतन मैथ्यू एबडेन के साथ पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल स्वर्ण और फिन हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता है। शुक्रवार का मैच ओपन युग में टूर्नामेंट का पहला ऑल-ऑस्ट्रेलियाई फाइनल था। इसके अलावा यह ऑस्ट्रेलियन ओपन का 14वां संस्करण भी है, जहां किसी घरेलू खिलाड़ी को कम से कम एक श्रेणी में चैंपियन का ताज पहनाया गया।

# भारतीय पीडी क्रिकेट टीम को केंद्रीय खेल मंत्री ने किया सम्मानित, दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलेगा पूर्ण सरकारी समर्थन

नई दिल्ली

**केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीतने पर भारतीय शारीरिक विकलांगता (पीडी) क्रिकेट टीम को सम्मानित किया। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।**

दिल्ली स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद और एक्सेसिबिलिटी संगठन 'स्वयं' द्वारा समर्थित टीम को विशेष सम्मान दिया गया।

इस मौके पर डॉ. मंडाविया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी खेल दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिव्यांग एथलीटों के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर हमेशा आगे रहे हैं। 'दिव्यांग' होना कमजोरी नहीं, बल्कि एक विशेष क्षमता है। हमारी टीम ने यह साबित कर दिया है कि वे देश को गर्व महसूस करा सकते हैं। छह में से पांच मैच जीतकर और इंग्लैंड, श्रीलंका, और पाकिस्तान जैसी टीमों को हराना असाधारण उपलब्धि है।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की चयन प्रक्रिया बेहद कठोर रही। उदयपुर में हुए ट्रायल्स में देशभर के 28 राज्यों से आए 450 से अधिक खिलाड़ियों में से 56 को जयपुर में आयोजित चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना गया। अंत में 17 खिलाड़ियों को भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

डॉ. मंडाविया ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा, पेरिस पैरालिंपिक से लेकर पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक, हमारे 'दिव्यांग' एथलीट देश को गर्व के पल दे रहे हैं। सरकार आपके साथ हर कदम पर खड़ी है। आपकी उपलब्धियां देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी।

सम्मान समारोह में पूरी टीम के साथ कोच, डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान, स्वयं की संस्थापक-चेयरपर्सन स्मिनू जिंदल, और खेल मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने दिव्यांग एथलीटों के प्रति सरकार और समाज की जिम्मेदारी को और अधिक मजबूत किया है।